



2

---

---

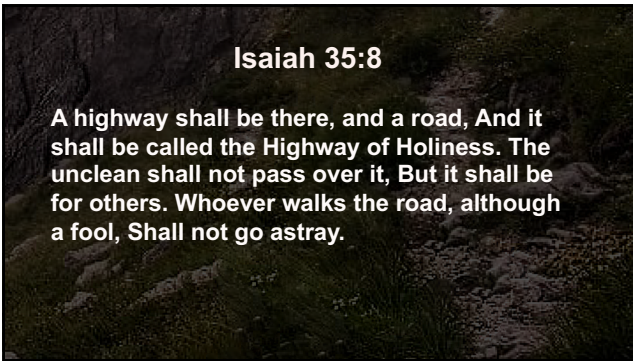
---

---

---

---

---



3

---

---

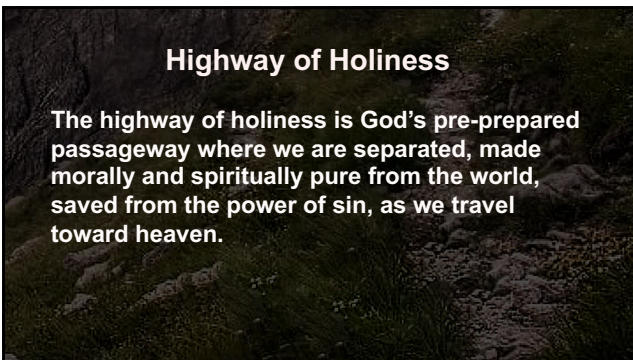
---

---

---

---

---



4

---

---

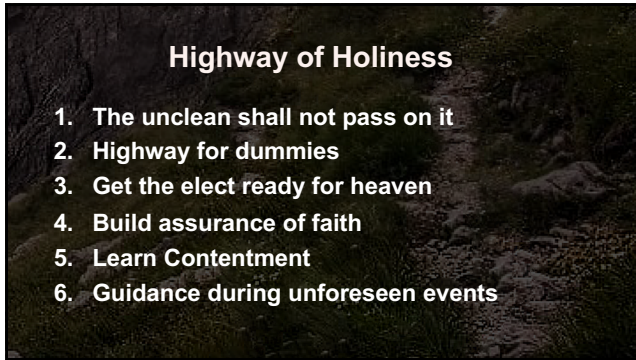
---

---

---

---

---



5

---

---

---

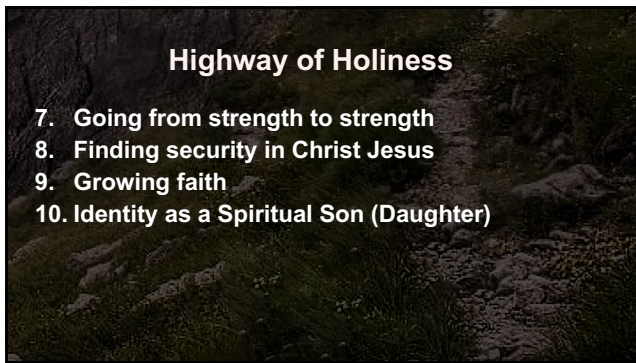
---

---

---

---

---



6

---

---

---

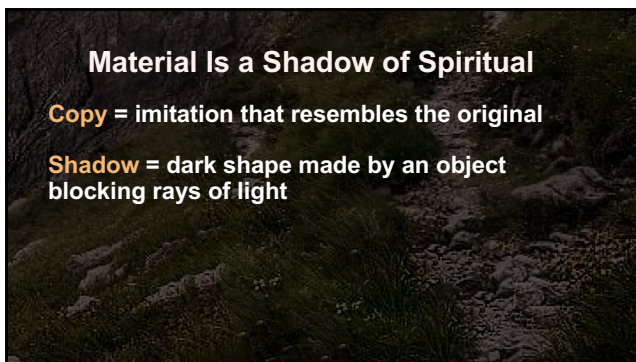
---

---

---

---

---



7

---

---

---

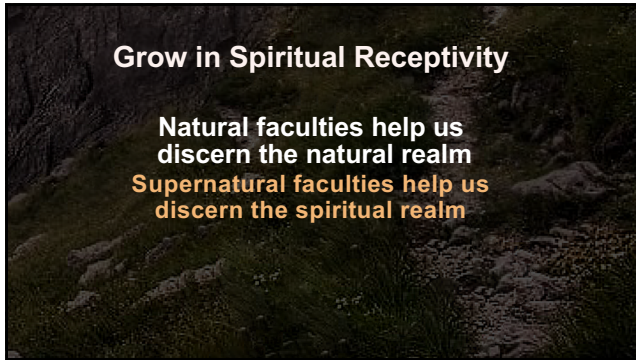
---

---

---

---

---



8

---

---

---

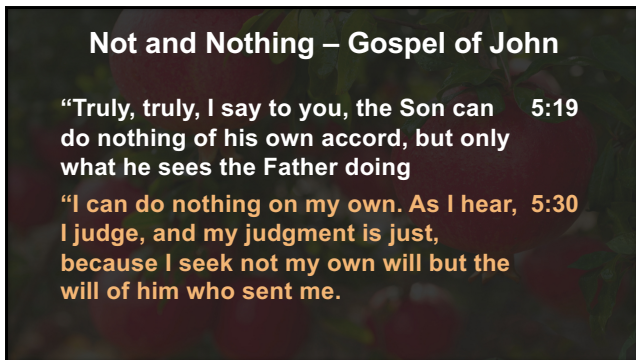
---

---

---

---

---



9

---

---

---

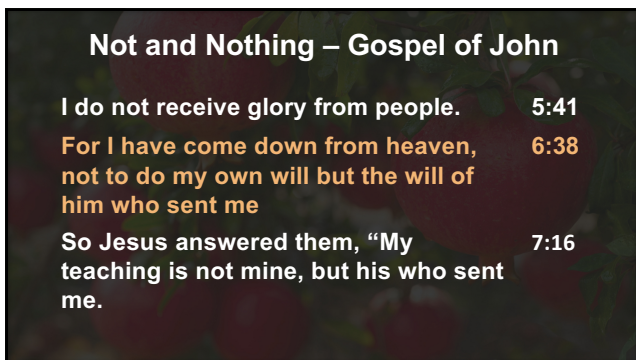
---

---

---

---

---



10

---

---

---

---

---

---

---

---

**What is Jesus saying?**

Jesus is saying in these verses that He does not have the ability to do what God has called Him to do with only human resources and abilities (in the material realm). He must have supernatural direction and power.

11

---

---

---

---

---

---

---

**Matthew 17**

1 Now after six days Jesus took Peter, James, and John his brother, led them up on a high mountain by themselves; 2 and He was transfigured before them. His face shone like the sun, and His clothes became as white as the light.

12

---

---

---

---

---

---

---

**Supernatural Encounters**

- 1. Unplanned, unscheduled, unexpected
- 2. Special invitation only
- 3. Revelation of God's glory

13

---

---

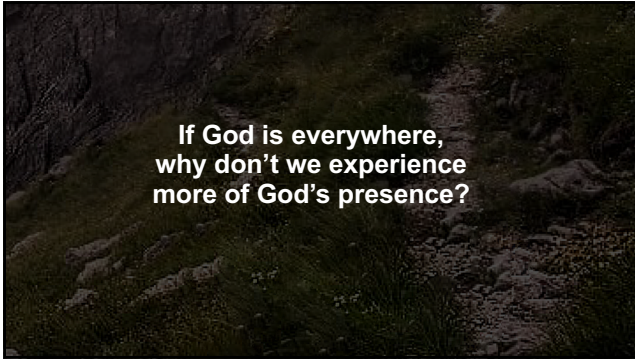
---

---

---

---

---



14

---

---

---

---

---

---

---

---



15

---

---

---

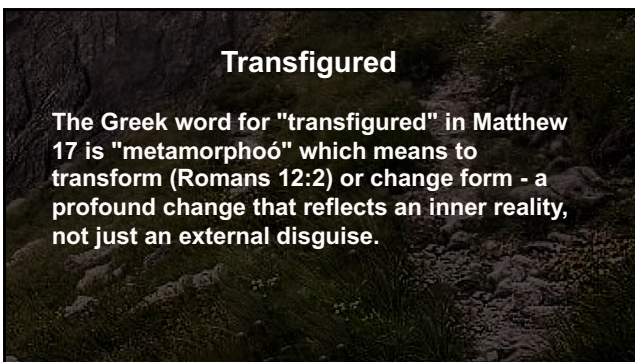
---

---

---

---

---



16

---

---

---

---

---

---

---

---

### Once Concealed, Now Revealed

“For Christ to be glorious was almost a less matter than for him to restrain or hide his glory. It is forever his glory that he concealed his glory; and that, though he was rich, for our sakes he became poor.”

- Charles Spurgeon

17

---

---

---

---

---

---

---

---

### Revelation of Jesus' glory

The Transfiguration is a divine revelation of Jesus' glory, affirming His identity as the Son of God. Peter's statement reflects a desire to remain in this holy moment, recognizing the spiritual blessing of witnessing such a revelation.

18

---

---

---

---

---

---

---

---

### Matthew 17

3 And behold, Moses and Elijah appeared to them, talking with Him.

19

---

---

---

---

---

---

---

---

**Luke 9:31,33**

31 who (Moses and Elijah) appeared in glory and spoke of His (Jesus') decease which He was about to accomplish at Jerusalem.

33 Then it happened, as they were parting from Him, that Peter said to Jesus, "Master, it is good for us to be here; and let us make three tabernacles: one for You, one for Moses, and one for Elijah"—not knowing what he said.

20

---

---

---

---

---

---

---

---

**Matthew 17**

4 Then Peter answered and said to Jesus, "Lord, it is good for us to be here; if You wish, let us make here three tabernacles: one for You, one for Moses, and one for Elijah."

21

---

---

---

---

---

---

---

---

**Supernatural Encounters**

- 1. Unplanned, unscheduled, unexpected
- 2. Special invitation only
- 3. Revelation of God's glory
- 4. Silence is golden
- 5. Linger but don't try to prolong

22

---

---

---

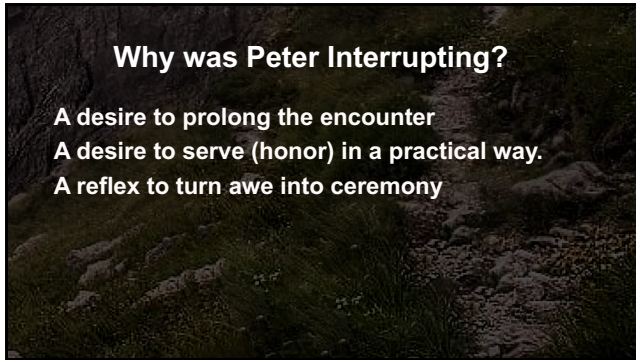
---

---

---

---

---



### Why was Peter Interrupting?

- A desire to prolong the encounter
- A desire to serve (honor) in a practical way.
- A reflex to turn awe into ceremony

23

---

---

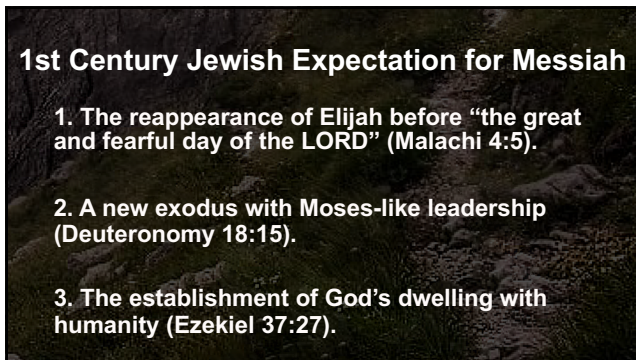
---

---

---

---

---



### 1st Century Jewish Expectation for Messiah

1. The reappearance of Elijah before "the great and fearful day of the LORD" (Malachi 4:5).
2. A new exodus with Moses-like leadership (Deuteronomy 18:15).
3. The establishment of God's dwelling with humanity (Ezekiel 37:27).

24

---

---

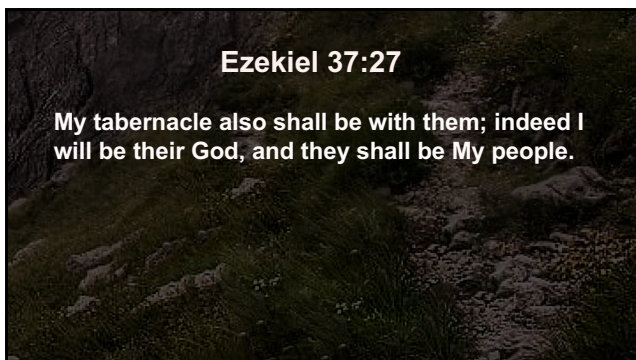
---

---

---

---

---



### Ezekiel 37:27

My tabernacle also shall be with them; indeed I will be their God, and they shall be My people.

25

---

---

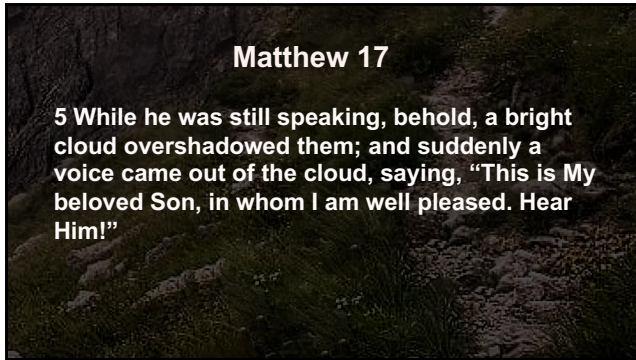
---

---

---

---

---



26

---

---

---

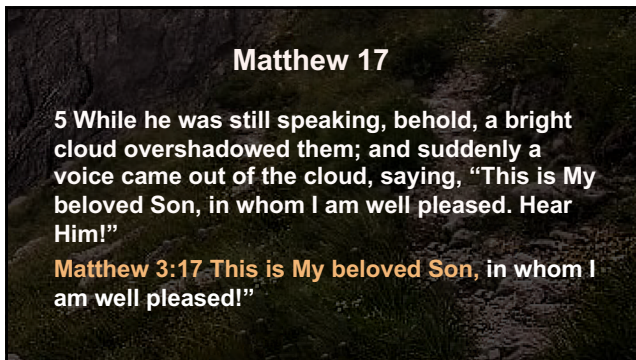
---

---

---

---

---



27

---

---

---

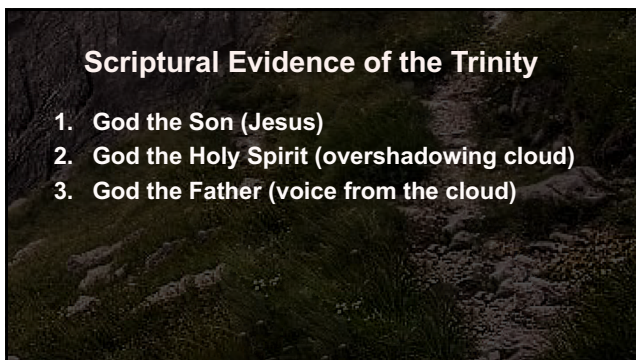
---

---

---

---

---



28

---

---

---

---

---

---

---

---

**Matthew 17**

6 And when the disciples heard it, they fell on their faces and were greatly afraid. 7 But Jesus came and touched them and said, "Arise, and do not be afraid." 8 When they had lifted up their eyes, they saw no one but Jesus only.

29

---

---

---

---

---

---

---

---

**God Teaches the Supernatural**

When we walk in a supernatural encounter, God reveals His power and His character to us that can be learned no other way. We learn a sport by playing the sport. Videos and books can be helpful because it helps us grow in knowledge but not skill. Skill comes from hands-on practice.

30

---

---

---

---

---

---

---

---

**Matthew 17**

9 Now as they came down from the mountain, Jesus commanded them, saying, "Tell the vision to no one until the Son of Man is risen from the dead."

31

---

---

---

---

---

---

---

---

**Supernatural Encounters**

1. Unplanned, unscheduled, unexpected
2. Special invitation only
3. Revelation of God's glory
4. Silence is golden
5. Linger but don't attempt to prolong
6. Confidentiality is an entrance requirement

32

---

---

---

---

---

---

---

---

**Limits of the Possible**

“But when Jesus appears to you in his deity, the despair you feel at your own weakness is tempered by the vision of his overwhelming strength. In this moment, you understand that if you are ever going to be raised up, it must be by the hand of God. God can do nothing for you until you get to the limit of the possible.”  
- Oswald Chambers

33

---

---

---

---

---

---

---

---

**Why weren't all the disciples invited to be on the mount of transfiguration?**

34

---

---

---

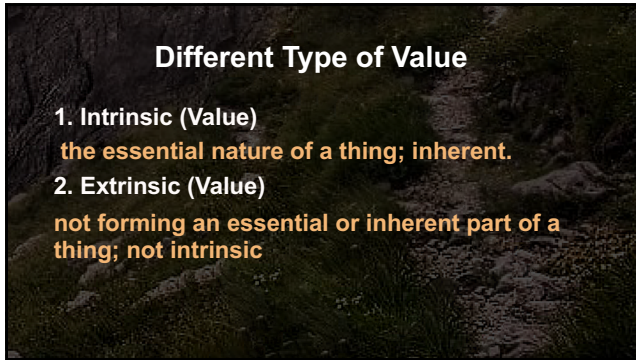
---

---

---

---

---



35

---

---

---

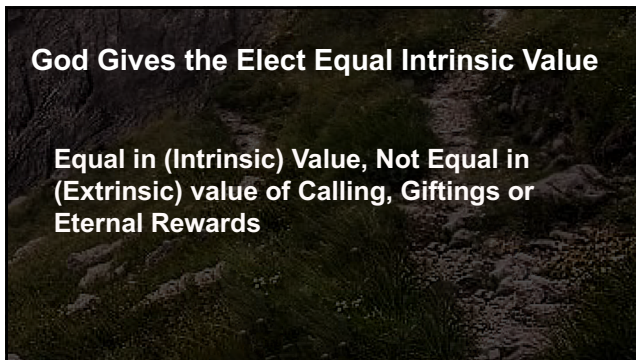
---

---

---

---

---



36

---

---

---

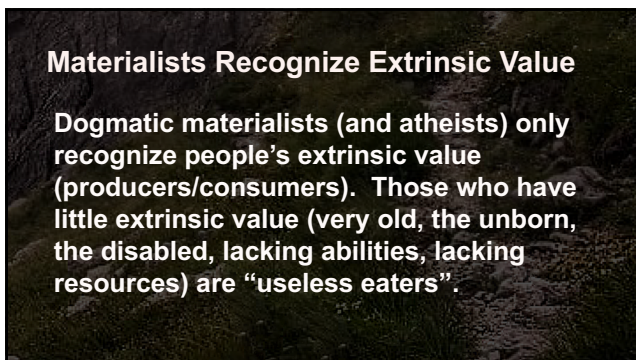
---

---

---

---

---



37

---

---

---

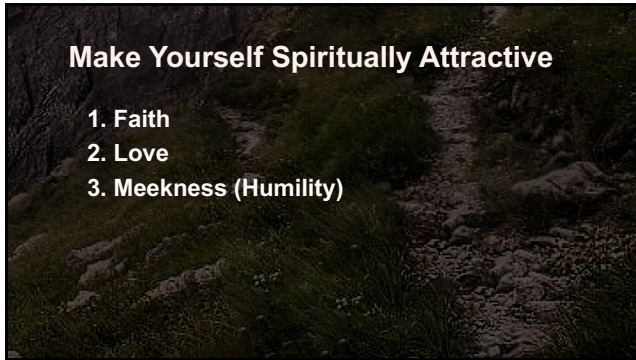
---

---

---

---

---



38

---

---

---

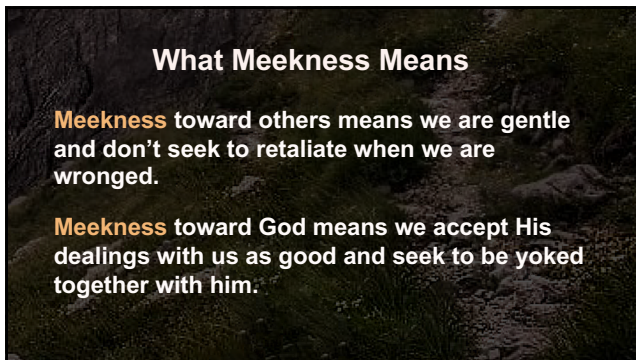
---

---

---

---

---



39

---

---

---

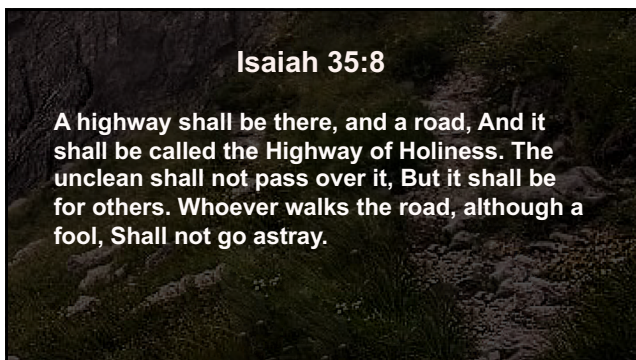
---

---

---

---

---



40

---

---

---

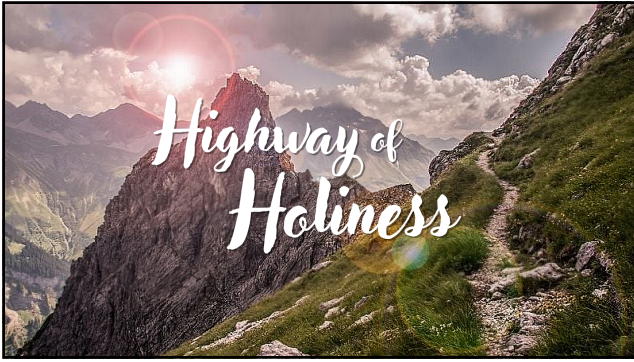
---

---

---

---

---



41

---

---

---

---

---

---

---